

डॉ. मार्व विल्सन, भविष्यवक्ता, सत्र 17, जोएल

© 2024 मार्व विल्सन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. मार्व विल्सन द्वारा भविष्यवक्ताओं पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह जोएल की पुस्तक पर सत्र 17 है।

मैं प्रार्थना करता हूँ कि जब हम शास्त्र का अध्ययन करें तो हमें एहसास हो कि यह एक कुशती का मुकाबला है। यह एक कला है, विज्ञान नहीं। विवरणों के संदर्भ में यहाँ हमें अभिभूत करने के लिए बहुत कुछ है। हम आपको धन्यवाद देते हैं कि आपने हममें से प्रत्येक के लिए शास्त्र की बड़ी योजना और बड़ी तस्वीर स्पष्ट कर दी है।

और जबकि हम कभी-कभी विवरणों के बारे में भ्रमित हो सकते हैं, हम आपको धन्यवाद देते हैं कि हम समझते हैं कि एक ईश्वर है जो अपने लोगों से प्यार करता है, जो वहाँ है और उन्हें कहीं ले जा रहा है। हम आपको इस तथ्य के लिए धन्यवाद देते हैं कि हम आपको जान पाए हैं और आपका वचन हमारे लिए एक मार्गदर्शक और शिक्षक के रूप में महत्वपूर्ण है जो हमें अपने जीवन में उन तरीकों को समझने में सक्षम बनाता है जो आपको सबसे अधिक प्रसन्न कर सकते हैं। इसलिए, हमें धर्मग्रंथों को रीडर्स डाइजेस्ट या टाइम मैगज़ीन या अन्य घड़ियों के रूप में नहीं पढ़ने में मदद करें, जिनमें से कई अस्तित्व से बाहर हो जाती हैं, बल्कि हमें इसे एक शाश्वत शब्द के रूप में पढ़ने में मदद करें, जो हमारी पीढ़ी के लिए फिर से कालातीत है जैसा कि यह हमारे माता-पिता के लिए था। हम अपने प्रभु मसीह के माध्यम से यह प्रार्थना करते हैं। आमीन।

आज, मैं जोएल से बात करना चाहता हूँ और जोएल का परिचय देना चाहता हूँ।

अगर आप में से किसी के पास कोई नाम है जिसे आप पासओवर सेडर के लिए यहाँ शीट में जोड़ना चाहते हैं, तो मैं उसे सभी को बता दूँगा। और बस एक बार फिर याद दिला दूँ कि ब्रेक से वापस आने के बाद, सबसे आखिरी, दूसरी क्लास के लिए पैसे साथ लेकर आँ। उम्मीद है कि पहली क्लास के लिए एक लिफाफा और जिसका आप भुगतान कर रहे हैं, उसके साथ पैसे लेकर आँ।

जोएल एक साहित्यिक कृति है। यह उन छोटी किताबों में से एक है जो छोटे-मोटे भविष्यवक्ताओं के बीच छिपी हुई है, जिसकी सराहना बहुत से ईसाई नहीं कर पाते क्योंकि बहुत से ईसाई टिड्डियों के प्रकोप से खुद को जोड़ नहीं पाते। यह श्री स्पीलबर्ग के लिए एक ऐसी बात है जिससे निपटना होगा।

टिड्डियों का प्रकोप, बड़ी चीजें जो सर्वनाशकारी अंत समय से संबंधित हैं, महान चीजें जो हमें युग के अंत के बारे में बताती हैं। दरअसल, जब मैं मिडिल स्कूल में था, तो मुझे टिड्डियों के प्रकोप का थोड़ा सा अनुभव हुआ। यह वास्तव में बहुत ही अजीब बात थी।

मेरे पिता ओहियो में अपनी बहन से मिलने जा रहे थे, और हम रूट 6 पर ओहियो पार कर रहे थे, और यह जुलाई के मध्य का समय था। और मैंने अपने पिता से कहा, उन बड़े सरकारी ट्रकों को देखिए जो राजमार्ग पर रेत डाल रहे हैं। यह जुलाई के मध्य का समय है।

सैंडर्स काम कर रहे थे। और, वास्तव में, वे कर रहे थे। ठीक वैसे ही जैसे सर्दियों के बीच में रूट 6 को जोतना, वे जुलाई के बीच में सड़कों पर सैंडिंग कर रहे थे।

हुआ यह था कि सात साल की इन टिड्डियों की विपत्तियों में से एक ओहियो से होकर गुज़री, और राज्य राजमार्ग एक स्केटिंग रिक की तरह था क्योंकि टायरों के ऊपर से गुज़रने के कारण उन टिड्डियों के पंख उलझ गए थे, और वे रुके नहीं। वे बस एक सेना की तरह आते रहे। और इसलिए, राजमार्ग का एक हिस्सा वास्तव में फिसलन भरा था, हालाँकि बाहर का तापमान 90 डिग्री था।

टिड्डे ओहियो से होकर गुज़र रहे थे, अपनी नज़र में आने वाली हर हरी-भरी जगह को अपने कब्जे में लेकर, ज़मीन को तबाह कर रहे थे। मुझे नहीं पता, मैं कीट विज्ञानी नहीं हूँ और मुझे इन जीवों के बारे में नहीं पता, कि वे कितनी बार आते हैं। लेकिन बाइबिल की दुनिया में वे बहुत डरावने थे।

बेशक, मिस्र में टिड्डियों के बारे में सैकड़ों सालों से एक परंपरा चली आ रही थी, और यह विपत्तियों में से एक थी। इसलिए, टिड्डे शब्द हर साल हर यहूदी व्यक्ति के होठों पर होता है जब वे यहूदी लोगों के इतिहास में सबसे पुरानी स्मारक घटना मनाते हैं, यानी मिस्र से मुक्ति। और आपको विपत्तियाँ याद होंगी, जिन्हें हम एक कक्षा के रूप में एक साथ करेंगे।

जैसा कि आप, हमारे समुदाय में, अपनी छोटी उंगली या संभवतः अपने चाकू को शराब के गिलास में डालकर और फिर उस लाल पदार्थ की एक बूंद अपनी प्लेट पर रखकर, प्लेग का नाम पुकारते हैं। टिड्डे बहुत डरे हुए थे। वे उन दुश्मनों में से एक थे जिन्होंने फिरौन को खत्म करने में मदद की।

और योएल की पुस्तक टिड्डियों के प्रकोप पर केन्द्रित है, जो लगता है कि चल रहा था। यदि आप भी एक को देखें, तो उसमें लिखा है, हे पुरनियों, हे देश के सब रहनेवालों, सुनो। क्या तुम्हारे दिनों में या तुम्हारे पूर्वजों के दिनों में कभी ऐसा कुछ हुआ है? इसे अपने बच्चों को बताओ।

यह एक बड़ी घटना है और आप आने वाली पीढ़ियों तक इसके बारे में बात करते रहेंगे। और इसलिए भाषा से ऐसा लगता है कि वास्तव में प्लेग फैल रहा था। क्या आपके दिनों में भी ऐसी कोई घटना हुई है? यह एक आलंकारिक प्रश्न है और इसका निहितार्थ है नहीं।

यह 1978 का बर्फ़ीला तूफ़ान है, जिसके बारे में हम कैम्पस में रहने वाले लोग आज भी बात करते हैं, जिसकी मात्रा 31 इंच थी। गवर्नर के आदेश पर दो दिनों तक कोई भी कैम्पस से बाहर नहीं जा सकता था। रूट 128 पर 200 से ज़्यादा कारें फंसी हुई थीं, जहाँ लोगों ने उन्हें छोड़ दिया और नेशनल गार्ड ने उन्हें बचाया।

प्रकृति की कुछ महान घटनाओं के बारे में हम अभी भी बात करते हैं। इस विशेष मामले में, यह भविष्यवक्ता अपनी साहित्यिक सुंदरता और टिड्डियों के इस आक्रमण का वर्णन करने के लिए जिस तरह से एकतरफा तरीके से वर्णन करता है, उसके लिए कुशल है। तीन छोटी किताबें, इस पुस्तक के तीन छोटे अध्याय, मुख्य रूप से टिड्डियों के प्रकोप पर ध्यान केंद्रित करते हैं, लेकिन यह केवल एक प्राकृतिक आपदा का वर्णन करने के लिए नहीं है क्योंकि टिड्डियों का प्रकोप इस पुस्तक में उनके द्वारा विकसित की गई बातों का हिस्सा है, जो उनका प्रमुख धार्मिक शब्द, योम याहवे है।

मैं इस पुस्तक के माध्यम से आगे बढ़ते हुए प्रभु के इस दिन पर वापस आऊंगा। प्रभु के दिन के बारे में बात करना, योएल की पुस्तक का मुख्य धार्मिक योगदान है। बेशक, क्योंकि जोएल एक ऐसी पुस्तक थी जिसका अध्ययन दूसरे मंदिर यहूदी धर्म के लोगों द्वारा किया जाता था, जैसे कि शिमोन, यीशु के शिष्यों में से एक, वह पेंटेकोस्ट के दिन सक्षम था, जब वह उठा और 3,000 यहूदी पुरुषों को संबोधित किया जो पूरे भूमध्य सागर बेसिन और पूर्वी बिंदुओं से आए थे, दूर टिगरिस-यूफ्रेट्स क्षेत्र और उत्तरी अफ्रीका से दक्षिण की ओर, वह प्रभु के दिन के बारे में बात करने में इस छोटी सी पुस्तक का उपयोग करने में सक्षम था, जो कि हम ईसाइयों के रूप में पेंटेकोस्ट कहते हैं।

लेकिन यहाँ मुख्य बात यह है कि पेंटेकोस्ट एक कृषि त्यौहार था, शावोट, पेसाच के सात सप्ताह बाद, जौ और गेहूँ की प्रमुख फ़सल की ओर ले जाने वाला बड़ा उलटी गिनती का दिन जो मई और जून में इज़राइल में होता था। मैं इसका ज़िक्र क्यों कर रहा हूँ? क्योंकि इस पुस्तक में, विशेष रूप से तीन अध्यायों में से पहले दो में, इस बात पर ज़ोर दिया गया है कि अब और खेती नहीं होगी, अब और अनाज नहीं होगा। इन चीज़ों को काट दिया गया है।

अब, जोएल एक बहुत ही आम नाम है। बाइबल में जोएल का इस्तेमाल कम से कम 12 अलग-अलग लोगों द्वारा किया गया है। हममें से ज्यादातर लोग जानते हैं कि नए नियम में याकूब और मरियम को सीधे रखना कितना मुश्किल है।

दूसरे लोगों को सीधे रखना बहुत मुश्किल है। पुराने नियम में यिर्मयाह के बहुत सारे नाम हैं और यिर्मयाह की भविष्यवाणी में यिर्मयाह नाम के तीन लोग हैं। इसलिए, नाम बहुत भ्रामक हो जाते हैं।

2930 अलग-अलग बाइबिल के पात्र। तो, इनमें से कई जोएल हैं और मैं समझ सकता हूँ कि माता-पिता के लिए बच्चे का नाम रखने के लिए जोएल एक बिल्कुल सही नाम क्यों होगा। मलाकी, जोएल या मीका की तरह, एक दिव्य नाम को जोड़ना या बच्चे के नाम में एक दिव्य नाम रखना वास्तव में विश्वास की स्वीकारोक्ति माना जा सकता है।

तो, योएल, यहोवा परमेश्वर है। और उसके नाम पर जो एल है, जैसा कि आप डैनियल, बेथेल और यहजेकेल में देखते हैं, आप इसे कई उचित नामों में देखते हैं। तो, उसका नाम मीका जैसा था।

मीका का नाम एक अलंकारिक प्रश्न पूछता है। और इसका उत्तर है कोई नहीं। मीका, यहोवा जैसा कौन है? या माइकल, माइकल नाम की कोई पुस्तक नहीं है, लेकिन माइकल का नाम एक ही है।

यह एक सवाल है। भगवान जैसा कौन है? माइकल। और इसका जवाब है कोई नहीं।

तो, बाइबल में ऐसे लोग हैं जिनका उचित नाम एक प्रश्न है जो उत्तर मांगता है। और यह हिब्रू बाइबल के इस अतुलनीय परमेश्वर के बारे में बात करता है। योएल का नाम बस विश्वास की पुष्टि के रूप में इसे सामने रखता है।

यहोवा परमेश्वर है। योएल खुद, हम उसके बारे में बहुत ज़्यादा नहीं जानते सिवाय 1 :1 के, वह पेथुएल का बेटा है। ऐसा लगता है कि उसे यरूशलेम और उसके आस-पास के इलाकों की काफ़ी अच्छी जानकारी थी।

वहाँ जो कुछ होता है उसका इतिहास और पूजा। आप ध्यान दें, दक्षिणी राज्य का भविष्यवक्ता होने के नाते, वह कहता है, सियोन में तुरही बजाओ, 2:1। तो, ऐसा लगता है कि वह यरूशलेम क्षेत्र से आया था। सियोन एक सुंदर काव्यात्मक नाम है जो यरूशलेम शहर को संदर्भित करता है।

योएल की छोटी सी किताब की व्याख्या कुछ दिलचस्प सवाल खड़े करती है। इस खास किताब में क्या चल रहा है? कुछ लोगों ने पूरी किताब को अंतिम समय की घटनाओं या भविष्य के बारे में बताने की कोशिश की है। भविष्य में धरती पर होने वाले आक्रमणों की भविष्यवाणी की गई है।

लेकिन फिर से, मुझे लगता है कि पुस्तक के शुरुआती हिस्से में जोएल ने देश को प्रभावित करने वाले टिड्डों के एक वास्तविक प्रकोप का वर्णन किया है। अब, यह संभव है कि, फिर, देश में आने वाली टिड्डियों की सेना एक बहुत ही दर्दनाक अनुस्मारक हो सकती है क्योंकि इसके साथ, निश्चित रूप से, पश्चाताप के लिए भगवान का आह्वान जुड़ा हुआ था। और, निश्चित रूप से, प्राकृतिक आपदा लोगों के दिलों को झकझोरने का एक तरीका है।

लोगों को जीवन में कभी भी कठिन समय का सामना नहीं करना पड़ता। कभी-कभी, भगवान इन लोगों तक पहुँचने में असमर्थ होते हैं। और इसलिए, ऐसे समय में राष्ट्र बहुत अधिक असुरक्षित था।

इसलिए, इतिहास में प्रभु का यह दिन, जो टिड्डियों के प्रकोप के रूप में घटित हुआ, किसी तरह से आस-पास की सेनाओं द्वारा भविष्य में होने वाले विनाश का अग्रदूत रहा होगा। यदि इस्राएल, और यहाँ मैं परमेश्वर के सभी लोगों की बात कर रहा हूँ, पश्चाताप में उसकी ओर नहीं मुड़े, क्योंकि पश्चाताप यहाँ एक विषय बन जाता है, ठीक उस टिड्डियों के प्रकोप के बीच में।

जैसा कि मैंने 2.13 में कहा है, यह बहुत महत्वपूर्ण है कि अपने वस्त्रों को नहीं, बल्कि अपने हृदय को फाड़ें। वापस लौटने का आह्वान, शुब/शुव, वापस जाओ, ऐश बुधवार को आम प्रार्थना की पुस्तक का हिस्सा है। वह दिन जो हमें लेंट के 40 दिनों में ले जाता है।

तो, टिड्डियों के प्रकोप के बीच, लोगों के दिलों को फिर से परमेश्वर की ओर मोड़ने की इच्छा है। और परमेश्वर, वास्तव में, इस आपदा के माध्यम से, लोगों के दिलों को एक बार फिर से अपनी ओर मोड़ने के लिए नरम कर सकता है। अब, पुस्तक की वास्तविक रूपरेखा काफी सरल है।

अध्याय 1, श्लोक 1 से 2.17 में लिखा है, प्रभु का दिन निकट है, प्रभु का दिन निकट है। प्रभु का दिन अब इतिहास में टिड्डियों के प्रकोप के रूप में घटित हो रहा है। और संभवतः एक सेना, एक वास्तविक सेना के वास्तविक आक्रमण के रूप में आ रहा है।

लेकिन, अब, यह टिड्डी विपत्ति में न्याय का समय आ रहा है। जो फिर पश्चाताप के इस आह्वान के साथ समाप्त होता है। 2.18 से 3.21 में, विषय भी योम यहोवा, प्रभु का दिन है।

लेकिन, यहाँ, वह भविष्य में प्रभु के दिन की ओर अधिक आगे बढ़ता है। और, अंत में, अंतिम अध्याय, दूर के भविष्य की ओर। प्रभु के दिन में आध्यात्मिक आशीर्वाद शामिल हैं, साथ ही परमेश्वर के लोगों के शत्रुओं पर न्याय का वादा भी शामिल है।

और, अंततः, बेशक, पृथ्वी के राष्ट्रों के सामने परमेश्वर के लोगों का औचित्य सिद्ध होगा। लेकिन, राष्ट्रों के न्याय और इस्राएल के औचित्य सिद्ध होने पर जोर देना अंतिम अध्याय का मुख्य विषय है। शुरुआती अध्याय में टिड्डियों के प्रकोप का वर्णन बहुत ही जीवंत है।

वह कहते हैं, इसे अपने बच्चों और अपने नाती-नातिनों को बताओ। वह यहाँ आयत 4 में टिड्डे के लिए कई अलग-अलग शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। वास्तव में, बाइबल में टिड्डे के लिए कई अलग-अलग शब्दों का इस्तेमाल किया गया है।

और यहाँ, वह टिड्डियों की विभिन्न प्रजातियों के बारे में बात नहीं कर रहा है। हालाँकि, किंग जेम्स आपको ऐसा आभास दे सकता है जहाँ वह पाम या वर्म और कैकरवर्म जैसे शब्दों का उपयोग करता है। यह 400 साल पहले की एक बहुत ही अजीब भाषा है।

एनआईवी को एहसास है कि वह टिड्डे के लिए चार अलग-अलग शब्दों का इस्तेमाल कर रहा है, इसलिए वह कोई अंतर करने की कोशिश नहीं करता। न ही रिवाइज्ड स्टैंडर्ड वर्शन ऐसा करता है। आप टिड्डे को कितने अलग-अलग तरीकों से कह सकते हैं? टिड्डा तो टिड्डा ही है।

अब देखिए, टिड्डा। इस शब्द का शाब्दिक अर्थ है भूमि को जलाने वाला।

होलोकॉस्ट शब्द का अर्थ है संपूर्ण या संपूर्ण जलना। इसलिए, भूमि से होकर आने वाले इस जीव को भूमि को जलाने वाला नाम देने का विचार, संभवतः इसके पीछे, यदि सब कुछ हरा है और वे केवल सब कुछ हरा खाना चाहते हैं, तो उनके गुजरने के बाद, सब कुछ भूरा दिखाई देता है। वहाँ अकाल है; मृत्यु है, और सब कुछ नष्ट हो गया है।

इसलिए, वे ज़मीन को भूरा रंग देते हैं। वास्तव में, वे यही करते हैं। टैक्सोनामिक रूप से वे जो भी हों, RSV का कहना है कि वे वास्तव में यही करते हैं।

जो कुछ काटने वाली टिड्डी ने छोड़ा, उसे झुंड में रहने वाली टिड्डी ने खा लिया। जो कुछ झुंड में रहने वाली टिड्डी ने छोड़ा, उसे उछलने वाली टिड्डी ने खा लिया। जो कुछ उछलने वाली टिड्डी ने छोड़ा, उसे नष्ट करने वाली टिड्डी ने खा लिया।

तो, हमने काटना, झुंड बनाना, उछलना, नष्ट करना पाया। ये सभी शब्द बताते हैं कि टिड्डियाँ अपने पीछे क्या करती हैं। अब, एनआईवी, थोड़ा अलग होना चाहता है, यह महसूस करता है कि शब्दों को दोहराना जोर देने के लिए है, न कि सावधानीपूर्वक अंतर करने के लिए।

टिड्डी तो टिड्डी ही है। इसलिए, एनआईवी कहता है कि टिड्डियों के झुंड ने जो कुछ छोड़ा है, उसे बड़ी टिड्डियों ने खा लिया है। बड़ी टिड्डियों ने जो कुछ छोड़ा है, उसे युवा टिड्डियों ने खा लिया है।

अब, युवा टिड्डियों ने जो कुछ छोड़ा है, उसे अन्य टिड्डियों ने खा लिया है। खैर, फिर से, चार बार कहने के लिए, जोर देने से, आप बात समझ गए होंगे। वे बहुत हैं और वे बहुत विनाश लाते हैं।

और वे क्या करते हैं? खैर, पाँचवाँ श्लोक कहता है, अगर आप बहुत ज़्यादा शराब या बीयर पीते हैं, तो आप मुसीबत में हैं। बीयर अनाज से बनती है, और शराब उस चीज़ से बनती है जिसे हम अंगूर की खेती कहते हैं, यानी बेल की देखभाल। और इसलिए, बेलों की देखभाल की जाएगी और खेतों में अनाज नहीं होगा।

इसलिए, हे शराब पीनेवालों और पियक्कड़ों, रोओ। एक राष्ट्र ने भूमि पर आक्रमण किया है, पद्य छः। वह राष्ट्र टिड्डियाँ हैं।

और वे शेर के दांतों और शेरनी के नुकीले दांतों के साथ आते हैं। इसलिए, दूसरे जानवरों को यह दिखाने के लिए लाया जाता है कि वे कैसे भूमि के शिकारी हैं। उन्होंने मेरी बेलों और अंजीर के पेड़ों को बर्बाद कर दिया है और उनकी छाल उतार दी है, जिससे शाखाएँ सफ़ेद हो गई हैं।

तुम किसानो, तुम अंगूर उगाने वालों, तुम विलाप करो, गेहूँ और जौ के लिए शोक मनाओ। यहाँ फिर से हमारी कृषि तिकड़ी है। अनाज नष्ट हो गया है, नई शराब सूख गई है, और तेल खत्म हो गया है।

मैं इस स्टैकटो का उल्लेख करता हूँ, बहुत छोटे वाक्य। अनाज नष्ट हो गया, शराब सूख गई, तेल खत्म हो गया। टेलीग्राफिक रूप से, यह इसका प्रभाव देता है।

और हिब्रू कविता में, अगर आप अपनी बात की भावनात्मक तीव्रता बढ़ाना चाहते हैं, तो आप अपने वाक्यों को छोटा कर देते हैं। उन्हें बहुत-बहुत संक्षिप्त बना देते हैं। मैं आपको इसका एक उदाहरण देता हूँ।

नहूम नीनवे शहर के विनाश से निपटता है। और वह मीटर को चलाता है, इसलिए यह बहुत तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। नहूम 3:2. चाबुक की चटक, पहिये की गड़गड़ाहट, सरपट दौड़ता घोड़ा,

उछलता रथ, दौड़ते घुड़सवार, चमकती तलवार, चमकता भाला, मारे गए लोगों की भीड़, लाशों के ढेर, अंतहीन लाशें।

वे शवों पर ठोकर खाते हैं। और कविता में वह बहुत ही त्वरित क्लिप्ड मीटर मुझे न्यायियों के अध्याय 5 में डेबोरा के गीत की भी याद दिलाता है। जब आप इस बहुत ही बहादुर महिला, याएल के चरमोत्कर्ष पर पहुँचते हैं, जो इस कनानी सैन्य जनरल, सीसरा को कीलों से मारती है, और उसके सिर में एक तंबू की खूँटी ठोक देती है, और जहाँ इसे काव्यात्मक रूप से वर्णित किया गया है, वहाँ कहा गया है, उसने सीसरा को एक झटका मारा, उसने उसका सिर कुचल दिया, उसने उसकी कनपटी को चकनाचूर कर दिया, वह डूब गया, वह गिर गया, वह उसके पैरों पर लेट गया, उसके पैरों पर, वह डूब गया, वह गिर गया, जहाँ वह डूबा, वहाँ वह मर गया।

यह तथ्य कि एक महिला इस समय यिज्जेल घाटी में इस्राएलियों पर अत्याचार कर रहे कनानियों को इस शानदार पराजय को प्राप्त करने में सक्षम थी, गाथा और गीत के योग्य थी। तो, आपने याएल के उत्सव में इसे संगीत में ढाल दिया। ठीक है, तो जोएल की भाषा यहाँ इन जीवों का वर्णन करती है।

हमारे लिए यह समझना मुश्किल है कि वास्तविक टिड्डियों के प्रकोप में होने पर कैसा महसूस होगा। इसमें हमारी मदद करने के लिए, वैन लेनप की पुस्तक द बाइबल लैंड्स का शीर्षक है, जिसमें उन्होंने इन स्थानीय टिड्डियों के प्रकोपों में से एक का वर्णन किया है, और मुझे लगता है कि यह काफी प्रभावी है। उनका कहना है कि युवा टिड्डियाँ तेजी से आम टिड्डु के आकार तक पहुँच जाती हैं और एक ही दिशा में आगे बढ़ती हैं, पहले रेंगती हैं और बाद में छलांग लगाती हैं, अपने रास्ते में पड़ने वाली हर हरी चीज़ को खा जाती हैं।

वे भस्म करने वाली आग से भी धीमी गति से आगे बढ़ते हैं, लेकिन वे जो विनाश करते हैं, वह शायद ही कमतर या कम भयावह होता है। गेहूँ और जौ के खेत, अंगूर के बाग, शहतूत के बगीचे, और जैतून, अंजीर और अन्य पेड़ों के बाग, कुछ ही घंटों में, हरे पत्तों और पत्तियों से वंचित हो जाते हैं, यहाँ तक कि अक्सर छाल भी नष्ट हो जाती है। जिस ज़मीन पर उनके विनाशकारी गिरोह गुज़रे हैं, वह तुरंत बंजर और अभावग्रस्त दिखाई देने लगती है।

खैर, क्या रोम के लोग इन्हें भूमि को जलाने वाले कहते थे, जो हमारे शब्द टिड्डु का शाब्दिक अर्थ है? चलते-फिरते, ज़मीन को इस तरह से ढक लेते हैं कि वह नज़रों से ओझल हो जाती है और इतनी संख्या में होते हैं कि शक्तिशाली झुंड को गुज़रने में अक्सर तीन या चार दिन लग जाते हैं। दूर से देखने पर, आगे बढ़ते हुए टिड्डु का झुंड धूल या रेत के बादल जैसा दिखता है जो ज़मीन से कुछ फ़ीट ऊपर तक पहुँच जाता है, जबकि असंख्य कीड़े आगे की ओर छलांग लगाते हैं।

एकमात्र चीज़ जो क्षण भर के लिए उनकी प्रगति को रोकती है, वह है मौसम का अचानक परिवर्तन, क्योंकि ठंड उन्हें अंततः सुन्न कर देती है। वे रात में भी शांत रहते हैं, झाड़ियों और बाड़ों में मधुमक्खियों की तरह झुंड बनाकर रहते हैं जब तक कि सुबह का सूरज उन्हें गर्म नहीं कर देता, उन्हें पुनर्जीवित नहीं कर देता, और उन्हें अपने विनाशकारी मार्च पर आगे बढ़ने में सक्षम नहीं बना देता। उनके पास कोई राजा या नेता नहीं है, फिर भी वे गलती करें या न करें, लेकिन वे

पंक्तियों की श्रृंखला में आगे बढ़ते हैं, एक अदम्य आवेग द्वारा एक ही दिशा में प्रेरित होते हैं, और किसी भी तरह की बाधा के लिए न तो दाएं मुड़ते हैं और न ही बाएं।

जब कोई दीवार या घर उनके रास्ते में आता है, तो वे सीधे ऊपर चढ़ते हैं, छत से दूसरी तरफ जाते हैं, और खुले दरवाज़ों और खिड़कियों से आँख मूंदकर अंदर घुस जाते हैं। जब वे पानी के पास पहुँचते हैं, चाहे वह कोई पोखर हो या नदी, झील या खुला समुद्र, वे कभी भी उसके चारों ओर जाने की कोशिश नहीं करते, बल्कि बिना किसी हिचकिचाहट के उसमें कूद जाते हैं और डूब जाते हैं, और उनकी लाशें सतह पर तैरती हुई उनके साथियों के लिए पुल का काम करती हैं। इस तरह यह संकट खत्म हो जाता है, लेकिन अक्सर ऐसा होता है कि लाखों कीड़ों के सड़ने से महामारी और मौत पैदा होती है।

इतिहास में एक उल्लेखनीय घटना दर्ज है जो 125 ईसा पूर्व में घटित हुई थी। यह सीरियाई यूनानियों द्वारा अपवित्र किए गए मंदिर को साफ करने के कुछ ही दशकों बाद की बात है। हवा के झोंकों से कीड़े इतनी बड़ी संख्या में समुद्र में चले गए कि उनके शरीर, ज्वार के साथ वापस जमीन पर आ गए, जिससे एक भयानक बदबू पैदा हुई और लीबिया में 80,000 लोग मारे गए, जो आज हर रोज खबरों में रहता है, यह देश मिस्र के ठीक बगल में है, जो पश्चिम की ओर जा रहा है।

साइरेन, या साइरेन, उस भाई को याद करें जिसने यीशु को क्रूस उठाने में मदद की थी? वह साइरेन और मिस्र से था। इसलिए, ये देश जो भूमध्य सागर के उत्तरी भाग में थे, प्लेग के कारण बड़ी संख्या में लोगों को खो दिया - उस विशेष मामले में 80,000 लोग।

ठीक है, तो टिड्डियों का प्रकोप वाकई भयानक था। मैं पाठ के संबंध में कुछ बातें कहना चाहता हूँ। टिड्डियों का यह देश जिसने भूमि पर आक्रमण किया है, प्रकृति और कृषि को पूरी तरह नष्ट कर रहा है और वास्तव में अर्थव्यवस्था पर कहर बरपा रहा है।

अब, प्राचीन इस्राएल में बालवाद इतना आकर्षक क्यों था, इसके दो मुख्य कारण थे, यह वास्तव में आकर्षक था क्योंकि मनुष्य के पास दो सबसे मजबूत इच्छाएँ होती हैं, उनकी यौन इच्छा और जीवित रहने की इच्छा। हमने होशे की पुस्तक में देखा कि इस्राएल उत्तरी राज्य में पवित्र वेश्यावृत्ति के प्रति संवेदनशील क्यों था। और पूरा बाल पंथ।

लेकिन दूसरी बात यह है कि आपको जीवित रहना है। आपको जिंदा रहना है। जीवित रहना है।

और प्रकृति का इसमें बहुत बड़ा हाथ है। अगर प्रकृति आपके साथ अच्छा व्यवहार नहीं कर रही है, अगर नदी के किनारे सूख गए हैं, अगर ज़मीन भूरी हो गई है और कोई फसल नहीं हो रही है, तो बाल ही वह व्यक्ति है जो इन सबका प्रभारी है। और इसलिए, ज़ाहिर है, इज़राइल में लोग जो हर साल बाल पंथ की ओर आकर्षित होते थे, आप बाल और मोट के इस विचार से गुज़रे।

मोट, मौत का देवता, हाथापाई करता हुआ। मोट ने बाल को मार डाला। हर साल अप्रैल या मई में वनस्पति मर जाती है।

पाँच या छह महीने तक ज़मीन भूरी रहती है। और फिर, जब पतझड़ में फिर से बारिश होने लगती है, तो बाल फिर से जीवित हो जाता है। और इस तरह, प्रकृति के चक्र, और ज़मीन में जान आ जाती है, और फ़सलें फिर से वही पैदा करने लगती हैं जो उन्हें पैदा करना चाहिए।

यह बहुत महत्वपूर्ण था। इसलिए, पूरा देश इससे प्रभावित है। श्लोक 7 में अंजीर के पेड़ों का उल्लेख है।

पुराने नियम के समय में आहार में चीनी के दो मुख्य स्रोत अंजीर और खजूर थे। ये आपके चीनी के दो मुख्य स्रोत हैं। इसलिए, श्लोक 7 में अंजीर के पेड़ बर्बाद हो गए हैं। बेशक, अंजीर के पेड़ का भविष्यवाणी साहित्य में एक और अर्थ है।

जैसा कि आप मीका को पढ़कर जानते हैं, अगर आप अपने अंजीर के पेड़ या अपनी बेल के नीचे बैठ पाते हैं, तो यह समृद्धि और शांति का प्रतीक है और शायद यह विचार भी कि आप शहर की दीवारों के बाहर आराम से रह सकते हैं। बेशक, सूखे अंजीर खाए जाते हैं। 1 शमूएल 25 में इसका संकेत मिलता है।

और एक बार राजा हिजकिय्याह के फोड़े पर अंजीर की पुल्तिस लगाई गई थी। और यशायाह 38:21 के अनुसार, लोग अंजीर के औषधीय उपयोग की तलाश कर रहे थे। मैंने यशायाह 38:21 पढ़ा, अंजीर की पुल्तिस तैयार करें और इसे फोड़े पर लगाएं, और वह ठीक हो जाएगा।

हम कनानियों के प्राचीन युगारिटिक साहित्य में जानते हैं कि अंजीर का उपयोग वहां नियमित रूप से औषधीय उद्देश्यों के लिए किया जाता था। इसलिए जब हम अंजीर के बारे में बात कर रहे हैं, तो मैं यहाँ केवल यह बता रहा हूँ कि हम अंजीर को खाने की चीज़ के रूप में सोचते हैं, या शायद एक पत्तेदार पेड़ जिसके नीचे आप कुछ राहत या अन्य उद्देश्यों के लिए गर्म मध्य पूर्वी सूरज के नीचे बैठ सकते हैं। इसलिए यह कहता है, अपना गहरा भूरा काला टाट निकालो, श्लोक 8, और शोक करना शुरू करो।

क्योंकि आपके अन्न-बलि और पेय-बलि कट गए हैं। शराब, तेल, अनाज आपको निराश करने वाले हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि चूंकि अमेरिकी संस्कृति में पिछले दस वर्षों में यह इतना बड़ा हो गया है, इसलिए अनार के रस का विपणन महत्वपूर्ण है।

अनार का मतलब है बीज वाला सेब। और अनार को काटने पर इसकी खासियत यह है कि इस फल में बहुत सारे बीज होते हैं। इसीलिए इसे बीज वाला सेब कहा जाता है।

अरब मध्य पूर्वी संस्कृति में, एक अनार लेना और उसे नए घर की दहलीज पर तोड़ना आम बात थी। यह एक तरह से नए विवाहित जोड़े के लिए घर का नामकरण था, इस प्रार्थना के साथ कि आपके पास उतने ही बच्चे हों जितने ये सैकड़ों बीज आपके दरवाजे पर बिखरे हैं। दूसरे शब्दों में, आपके पास ढेरों बच्चों के साथ एक धन्य विवाह हो।

आज के इज़राइल की संस्कृति में यह दिलचस्प है, जहाँ अरबों के लिए अनार का प्रतीक सार्थक लगता है क्योंकि उनके पास औसतन इजरायली यहूदी लोगों की तुलना में दोगुने बच्चे हैं। अनार, बेशक, एक ताज़ा पेय था। कभी-कभी, इसका उपयोग औषधीय उद्देश्यों के लिए किया जाता था।

अनार का इस्तेमाल सजावट के लिए किया जाता था। जैसा कि आपको याद होगा, महायाजक, निर्गमन 28, ने अपने वस्त्र को अनार से सजाया था। और वैसे, सुलैमान के मंदिर की राजधानियों को सजाने के लिए 200 अनार थे।

1 राजा 7. तो, यह एक बहुत ही आम मूल भाव था। दुनिया के उस हिस्से में एक पुरानी परंपरा है कि कभी बनाया गया पहला शर्बत बर्फ के साथ अनार के रस से तैयार किया गया था। इसलिए, अनार को नष्ट कर दिया जाता है।

वैसे, अनार की कटाई आमतौर पर कृषि वर्ष के अंत में, गर्मियों के अंत में की जाती थी। वे और अंगूर आमतौर पर अगस्त के अंत से सितंबर तक आते थे। यहाँ आपके पास अन्य प्रकार के पेड़ों का उल्लेख है।

ताड़ का पेड़। अब, आप ताड़ के पेड़ के बारे में सोच सकते हैं, लेकिन ऐसा सिर्फ इसलिए है क्योंकि जब राजा शहर में आता है तो हाथ हिलाना अच्छा लगता है। और आप अपनी हथेलियाँ हिलाकर बहुत ही शालीनता से होसना कह सकते हैं।

लेकिन ताड़ के पेड़ का फल खजूर था, जो आज पूरे मध्य पूर्व में अरबों द्वारा खाए जाने वाले खजूर का पेड़ है और वे ऊँट हैं। ऊँटों को खजूर बहुत पसंद होते हैं। ताड़ के पत्ते, जो कभी-कभी 5 या 6 फीट तक लंबे हो सकते हैं, का उपयोग चटाई बुनने के लिए किया जाता था।

1960 के दशक में जब यादिन ने कई सालों तक मसादा की खुदाई की, तो मसादा की चोटी पर एक आश्चर्यजनक खोज हुई, जो इतनी सूखी थी कि ये चीजें संरक्षित हैं, ताड़ के पेड़ों से बुनी गई टोकरियाँ हैं। इसका एक उदाहरण है क्योंकि ताड़ के पेड़ों का इस्तेमाल चटाई बुनने के लिए किया जाता था। इज़राइल में लड़कियों के लिए एक बहुत लोकप्रिय नाम तामार है।

तामार वास्तव में, मैथ्यू के पहले अध्याय में इसका नाम उत्पत्ति अध्याय 38 में यहूदा से जुड़े होने के कारण आता है। लेकिन तामार शब्द ताड़ के लिए इस्तेमाल किया जाता है। और शायद यह सुंदरता, सुंदरता और ईमानदारी का प्रतीक था और लंबा था, एक तना, कोई शाखा नहीं, बहुत सुंदर आकार।

ठीक है, तो ये सभी चीजें जो रोजमर्रा की जिंदगी और प्रकृति से जुड़ी हैं, इस शिकारी, इस टिड्डे के अधीन थीं जो भूमि पर आ रहा था। इसलिए वह लोगों को टाट ओढ़ने और उपवास के साथ एक पवित्र सभा की घोषणा करने के लिए कहता है। अब, प्राचीन इज़राइल में एकमात्र आवश्यक उपवास का दिन योम किप्पुर था।

दरअसल, लेविटस 16 और योम किप्पुर के संबंध में तकनीकी रूप से खुद को भोजन से वंचित करने का उल्लेख नहीं किया गया है। इसमें कई बार कहा गया है कि आपको खुद को वंचित

करना है। अब, ऐतिहासिक रूप से, इसे उस अवधि के लिए खुद को भोजन और अक्सर पेय से वंचित करने के रूप में समझा जाता है।

लेकिन बाइबल में उपवास को अक्सर शोक, सामूहिक दुःख और व्यक्तिगत दुःख से जोड़ा गया है। एस्तेर की पुस्तक लगभग प्रार्थना का एक रूप ले लेती है जब समुदाय एक साथ आता है और हामान द्वारा समुदाय को नष्ट करने की योजनाओं के प्रकाश में उपवास करता है, इसलिए वे उपवास की ओर मुड़ते हैं ताकि वे ईश्वर पर ध्यान केंद्रित कर सकें। यह दिलचस्प है कि चर्च ने उपवास के इस विषय को कैसे देखा है जो कि भविष्यवक्ताओं में काफी प्रचलित है।

अक्सर भविष्यवक्ताओं ने उपवास को इसलिए नकार दिया क्योंकि यह धर्म के बाहरी प्रदर्शन और बाहरी तरीकों से जुड़ा हुआ था जिससे लोग कभी-कभी दूसरों को प्रभावित करना चाहते थे। एक तरह की आत्म-धार्मिकता। और इसलिए, भविष्यवक्ताओं ने क्या किया? पूरे बाइबल में सबसे अच्छा अध्याय यह बताता है कि सच्चा उपवास क्या है।

यह यशायाह 58 है। यशायाह 58:3 हमने उपवास क्यों किया? और तुमने इसे नहीं देखा? हमने खुद को क्यों नम्र बनाया? और तुमने इस पर ध्यान नहीं दिया? फिर भी अपने उपवास के दिन, तुम अपनी मर्जी से काम करते हो, और तुम अपने सभी कर्मचारियों का शोषण करते हो। तुम देखो, यह बहुत ही भविष्यसूचक है।

मैं अपना उपवास कर रहा हूँ। मैंने यहाँ समारोह और अनुष्ठान किया है। हे प्रभु, आपको शिकायत क्यों करनी चाहिए? और प्रभु कहते हैं, अरे, तुम पूरे दिन उपवास करते हो, लेकिन तुम दूसरों का शोषण कर रहे हो।

तुम्हारा उपवास झगड़े में समाप्त होता है। यशायाह 58.4 और लड़ाई, दुष्ट मुट्टियों से एक दूसरे को मारना। तुम्हारे उपवास में? उपवास स्वचालित रूप से आध्यात्मिकता के बराबर नहीं है।

क्या मैंने इसी तरह का उपवास चुना है? यह उपवास का ईश्वरीय संस्करण है। यशायाह 58.6 अन्याय की जंजीरों को ढीला करना, जुए की डोरियों को खोलना, उत्पीड़ितों को मुक्त करना और हर जुए को तोड़ना। क्या यह भूखे लोगों के साथ अपना भोजन साझा करना और गरीब भटकने वालों को आश्रय प्रदान करना नहीं है? इसलिए, अन्याय, उत्पीड़न, भोजन की ज़रूरत वाले लोगों की मदद करना, बेघरों की मदद करना, जब आप नम्र देखें, तो उसे कपड़े पहनाना।

ऐसा लगता है जैसे हम मैथ्यू 25 और भेड़ों और बकरियों के बड़े गोल-गोल फैसले को पढ़ रहे हैं, है न? और मैथ्यू ने इस तरह के मानदंड का विचार प्राप्त करने के लिए साहित्यिक चोरी की होगी जो सामाजिक न्याय के दिल से संबंधित है और हम अपने साथी मनुष्यों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं। यह उपवास का ईश्वर का संस्करण है। जब आप उपवास के बारे में शेखी बघारते हैं, तो यह लगभग एक विडंबना है, और फिर भी ईश्वर कहते हैं कि आप उपवास को सही ढंग से समझते हैं जब आप भूखे लोगों को खिलाने में खुद को खर्च करते हैं।

यही असली उपवास है। आप दूसरे व्यक्ति को भोजन दे रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि चर्च ने उपवास को एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक अनुशासन के रूप में छोड़ दिया है।

हम सभी जानते हैं कि चर्च के भीतर कुछ लोग हैं जिन्होंने इस अनुशासन को जीवित रखा है, लेकिन इसके कानूनी और आत्म-धार्मिकता से जुड़े होने और धर्म की सार्वजनिक रूप से परेड करने के कारण, क्योंकि मैथ्यू 6.16 के अंश में यीशु ने उपवास पर फिर से हमला किया है, क्योंकि इसका दुरुपयोग किया गया है। इसलिए, हम बच्चे को नहाने के पानी के साथ बाहर नहीं फेंकते। यह उन पाठों में से एक है जो हम भविष्यवक्ताओं से सीखते हैं।

सिर्फ इसलिए कि उपवास एक वैध आध्यात्मिक अभ्यास है, हम इसे पूरी तरह से बंद करने के बजाय इसे उचित अर्थ देते हैं। अब, मैं प्रभु के दिन के बारे में थोड़ी बात करना समाप्त करना चाहता हूँ। 1:15 में हमें प्रभु के दिन, योम यहोवा की पाँच घटनाओं में से पहली घटना मिलती है।

और आप 1:15 में देखेंगे, प्रभु का दिन निकट है। यह सर्वशक्तिमान की ओर से विनाश की तरह आएगा। तो, प्रभु का दिन न्याय से जुड़ा हुआ है।

2.1 में, प्रभु के दिन की दूसरी घटना, देश में रहने वाले सभी लोग काँप उठें, क्योंकि प्रभु का दिन आ रहा है। यह बहुत करीब है। अंधकार, उदासी, बादलों और कालेपन का दिन।

और वह आगे बढ़ता है और एक बड़ी और शक्तिशाली सेना के आने की बात करता है। तो फिर से, यह न्याय की बात करता है। तीसरी घटना 2.11 में पाई जाती है। प्रभु का दिन महान है, और यह भयानक या भयानक है।

कौन इसे सहन कर सकता है? इसलिए, प्रभु का दिन ऐसा कुछ नहीं है जिसे कोई आसानी से कह सकता है। भगवान की परिभाषा के अनुसार इसे लाओ। आमोस को प्रभु के दिन की उस लोकप्रिय परिभाषा से निपटना पड़ा, जिसमें मूल रूप से कहा गया था, हाँ, इसे लाओ, क्योंकि वहाँ दूसरे लोग, दूसरे राष्ट्र जिन्होंने आपके वाचा के लोगों को अपनी नाक में दम कर रखा है, आप उन्हें प्रभु के दिन के साथ नीचे ले जाएँगे। यह उनके लिए एक आपदा होगी, लेकिन हम निर्दोष साबित होने जा रहे हैं।

हम अच्छे लोग हैं। प्रभु के दिन की चौथी घटना 2.31 में पाई जाती है, जो पीटर के पेंटेकोस्ट धर्मोपदेश में सामने आती है, जो प्रभु के महान और भयानक दिन के आने के बारे में बात करती है, जो आकाशीय संकेतों, सूर्य, चंद्रमा, और इसी तरह से जुड़ी हुई है। और फिर प्रभु का अंतिम दिन 3.14 में है। निर्णय की घाटी में भीड़, भीड़, क्योंकि प्रभु का दिन, निर्णय की घाटी में निकट है।

अब, इनमें से प्रत्येक संदर्भ में, और मैं ब्रेक के बाद इस पर वापस आऊंगा, प्रभु का दिन इतिहास में ईश्वर के हस्तक्षेप का संदर्भ है। ईश्वर इतिहास में न्याय करने के लिए संप्रभुता से आते हैं। लोकप्रिय धारणा यह थी कि दूसरे व्यक्ति का न्याय करना चाहिए, हमारा नहीं।

भविष्यवक्ता आते हैं और कहते हैं, नहीं, न्याय परमेश्वर के घर से शुरू होता है। इतनी जल्दी मत करो। लेकिन, इसका मतलब इस्राएल पर भी न्याय है।

और चाहे वह टिड्डियों के प्रकोप से हो, किसी प्राकृतिक आपदा से हो, या आक्रमणकारी सेनाओं से हो, ये केवल वही संकेत हैं जो आप अपने आस-पास देखते हैं, ये केवल प्रभु के वास्तविक महान और अंतिम दिन के संकेतक हैं। टिड्डियों के प्रकोप से निपटने के लिए प्रभु के पास कई दिन हैं। यह केवल आने वाले इतिहास में एक बड़े हस्तक्षेप की बात करता है।

और जैसा कि बाइबल उस महान और चरमोत्कर्ष को उजागर करती है, और पुराने नियम के अंतिम शब्दों का उपयोग करने के लिए, मलाकी, एलियाह नबी, एलियाहू हातिशबी, के प्रकट होने में, एलियाह नबी प्रभु के महान और भयानक या भयंकर दिन से पहले आता है। वह मसीहा का अग्रदूत है। इसलिए, दूसरे शब्दों में, प्रभु के महान दिन में वास्तव में इतिहास में ईश्वर का व्यक्तिगत हस्तक्षेप शामिल है, जिसका उद्घाटन पिन्तेकुस्त के दिन हुआ था।

योएल ने यही कहा क्योंकि वह पिन्तेकुस्त में जो कुछ भी हो रहा था, उसे योएल 2 में लिखी बातों से जोड़ता है। लेकिन उस अवधारणा की परिणति या पूर्णता या पूर्ण अंतिम समापन नहीं। प्रभु का अंतिम दिन अभी भी इस्राएल के लिए स्वयं परमेश्वर द्वारा न्यायोचित ठहराए जाने का इंतज़ार कर रहा है।

और यह उम्र के आखिरी पड़ाव पर आता है। ठीक है, मैं इस बारे में कुछ और बातें ब्रेक के बाद कहूँगा। मुझे उम्मीद है कि आप सभी जहाँ भी जा रहे हैं, वहाँ अच्छा समय बिताएँगे और स्वस्थ और तंदुरुस्त होकर वापस आएँगे।

यह डॉ. मार्व विल्सन द्वारा भविष्यवक्ताओं पर दी गई शिक्षा है। यह योएल की पुस्तक पर सत्र 17 है।